मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 10

अनुक्रमांक :..................................

नाम ....

901 **801 (PZ)**

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

निर्देश :

i. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

ii. इस प्रश्नपत्र के दो खण्ड खण्ड अ तथा खण्ड ब हैं।

iii. खण्ड - अ में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर देने हैं।

iv. खण्ड - अ के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा हाइटनर का प्रयोग न करें ।

v. प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं। खण्ड ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं। खण्ड ब में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें ।

vi. प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

---

vansindhuclasses.com

खण्ड-'अ' (बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. ‘हंस' पत्रिका के सम्पादक कौन हैं ? 1

A. मुंशी प्रेमचन्द

B. जयशंकर प्रसाद

C. महादेवी वर्मा

D. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2. 'मंत्र, कफ़न व पञ्च परमेश्वर कहानियों के रचनाकार हैं : 1

A. अमृतराय

B. प्रेमचन्द

C. हजारी प्रसाद द्विवेदी

D. हरिवंश राय बच्चन

3. 'आषाढ़ का एक दिन', आधे-अधूरे, लहरों के राजहंस की विधा क्या है : 1

A. नाटक

B. कहानी

C. उन्यास

D. एकांकी

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' व 'अँधा युग' के लेखक हैं :1

A. यशपाल

B. धर्मवीर भारती

C. मोहन राकेश

D. अज्ञेय

5. 'उसने कहा था' किस विधा की रचना है :1

A. उपन्यास

B. यात्रावृत्त

C. कहानी

D. आलोचना

gyansindhuclasses.com

6. 'रीतिसिद्ध' काव्यधारा के कवि हैं:1

A. बिहारी

B. आलम

C. ठाकुर

D. बोधा

7. 'रीतिकाल' की प्रमुख भाषा है :1

A. खड़ी बोली

B. ब्रजभाषा

C. अवधी

D. वघेली

8. 'छायावाद' के प्रमुख कवि नही हैं: 1

A. जयशंकर प्रसाद

B. रामकुमार वर्मा

C. महादेवी वर्मा

D. रामधारी सिंह दिनकर

9. 'प्रकृति का मानवीकरण' प्रमुख प्रवृत्ति है :1

A. द्विवेदी युग की

B. भारतेन्दु युग की

C. छायावादी युग की

D. प्रगतिवादी युग की

10. खड़ीबोली हिंदी के प्रथम महाकाव्य 'प्रिय-प्रवास' के रचयिता हैं: 1

A. अयोध्यासिंह उपाध्याय

B. दिनकर

C. अज्ञेय

D. जयशंकर प्रसाद

gyansindhuclasses.com

11. 'हास्य रस' का स्थायी भाव है : 1

A. रति

B. हासय

C. हास

D. निर्वेद

12. 'चरण-कमल बन्दौ हरिराई' में कौन-सा अलंकार है:1

A. उपमा

B. रूपक

C. उत्प्रेक्षा

D. यमक

13. "रहिमन पुतरी स्याम, मनहु जलज मधुकर लसै।
कैंधो सालिगराम, रूपे के अधरा धरै ॥' - पंक्ति में कौन-सा छन्द है : 1

A. सोरठा

B. रोला

C. बरवै

D. चौपाई

14. 'सहमति' में प्रयुक्त उपसर्ग है :1

A. सह

B. सु

C. परि

D. आ

15. 'तव' में विभक्ति और वचन है :1

A. चतुर्थी, एकवचन

B. पंचमी, बहुवचन

C. षष्ठी, एकवचन

D. सप्तमी, द्विवचन

gyansindhuclasses.com

16. 'त्रिभुज' में समास है :1

A. द्वन्द्व

B. द्विगु

C. तत्पुरुष

D. अव्ययी भाव

17. 'कमल' का पर्यायवाची शब्द नही है: 1

A. नीरज

B. अम्बुज

C. वारिज

D. पयोधि

18. संदेहवाचक वाक्य है : 1

A. चलिए संगम घूम आते हैं।

B. सभी छात्र आज कक्षा में होंगे।

C. दर्जी से कपड़े लेते आना।

D. तारों में करण्ट प्रवाहित है।

19. कर्मवाच्य का उदहारण है - 1

A. रोहन कल खेलने गया।

B. रोहन ने गेंद खेली।

C. रोहन से गेंद खेली नही गयी।

D. रोहन द्वारा खेला गया।

20. निम्न में से अविकारी शब्द पहचानकर लिखिए-

A. वह

B. तारा

C. नदी

D. नीचे

gyansindhuclasses.com

खण्ड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

21. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=6

व्यक्ति अपनी उन्नति और विकास चाहता है और यदि एक की उन्नति और विकास दूसरे की उन्नति और विकास में बाधक हो, तो संघर्ष उत्पन्न होता है और यह संघर्ष तभी दूर हो सकता है, जब सबके विकास के पथ अहिंसा के हों। हमारी सारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा तत्व पर स्थापित रहा है। जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया गया है। अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग

है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक के अनुसार संघर्ष कैसे दूर हो सकता है?

अथवा

बुद्ध के जन्म की घटनाएँ तो इन चित्रित कथाओं में हैं ही, उनके पिछले जन्मों की कथाओं का भी इसमें चित्रण हुआ है। पिछले जन्म की ये कथाएँ 'जातक' कहलाती हैं। उनकी संख्या 555 है और इनका संग्रह 'जातक' नाम से प्रसिद्ध है, जिनका बौद्धों में बड़ा मान है। इन पिछले जन्मों में बुद्ध ने गज, कपि, मृग आदि के रूप में विविध योनियों में जन्म लिया था और संसार के कल्याण के लिए दया और त्याग का आदर्श स्थापित करते वे बलिदान हो गए थे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) जातक कथाएँ क्या हैं और इनमें किन योनियों के जन्म का वर्णन है?

22. निम्नांकित पद्यांश पर आधारित दिए गए तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=6

सीस जटा, उर बाहु बिसाल, बिलोचन लाल, तिरीछी सी भौहें।
तून सरासन बान धरे, तुलसी बन-मारग में सुठि सोहैं।
सादर बारहिं बार सुभाय चितै, तुम त्यों हमरों मन मोहैं।
पूछति ग्राम वधू सिय सों 'कहों साँवरे से, सखि रावरे कोहैं?'

gyansindhuclasses.com

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित पद्यांश की व्याख्या कीजिए।

(iii) ग्राम-वधू सीता जी से क्या पूँछ रही है?

अथवा

सच्चा प्रेम वही है, जिसकी तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है, करो प्रेम पर प्राण निछावर ।।
देश प्रेम वह पुण्य-क्षेत्र है, अमल असीम, त्याग से विलसित।
आत्मा के विकास से जिसमें, मनुष्यता होती है विकसित ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) इस पद्यांश में सच्चा प्रेम किसे कहा है?

23. निम्नलिखित संस्कृत गद्यावतरणों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए : 2+3=5

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते। मानवजीवनं संस्कर्तुम एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्ति च प्राप्नोति । अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्रं सहर्षं गृहीतं भवति । एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानवजीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम् आचारे दृढ़ता चेति।

अथवा

नागरिकः बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकायाः उत्तरं दातुं समर्थः न अभवत्; ततः ग्रामीणम् अवदत् "अहम् अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरं न जानामि । इदं श्रुत्वा ग्रामीणः अकथयत् यदि भवान् उत्तरं न जानाति, तर्हि ददातु दशरुप्यकाणि। अतः म्लानमुखेन नागरिकेण संमयानुसारं दशरुप्यकाणि दत्तानि ।

24. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भः सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+3=5

हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा 'भोक्ष्यसे महीम्।
निराशीर्निर्ममो भूत्वा युध्यस्व विगतज्वरः।।

अथवा

उत्तरं यत् समुद्रस्य, हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः ।।

gyansindhuclasses.com

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्न लिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' के तृतीय सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक की चारित्रिक विशेषताओं का अंकन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ग) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर उसके चौथे सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य में 'द्रौपदी' सर्ग का सारांश संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खंण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'उपचार' सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।

26. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

(iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

gyansindhuclasses.com

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए - 3+2=5

(i) तुलसीदास

(ii) सूरदास

(iii) बिहारीलाल।

27. अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

28. अपनी खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए, पूर्ण शुल्क-मुक्ति के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 4

अथवा

समय के सदुपयोग एवं परिश्रम पर बल देते हुए अपने छोटे भाई को एक प्रेरणादायक पत्र लिखिए।

29. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए: 1+1

(i) कुत्र मरणं मङ्गलं भवति ?

(ii) पुरुराजः केन सह युद्धम् अकरोत?

(iii) ज्ञानं कुत्र सम्भवति ?

(iv) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?

30. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 7

(i) आतंकवाद की समस्या

(ii) जनसंख्या नियन्त्रण

(iii) पर्यावरण-प्रदूषण

(iv) मेरा प्रिय कवि

****

gyansindhuclasses.com